B.A. II (H) - Paper - III Lecture - II 03

Psychosexual Development

(2) Anal stage :- दो से तीन साल तक के अभ्यु की अवस्था गुदा अवस्था कहलाती है। इस अवस्था में कामुकता क्षेत्र (erogeneous zone) मुँह से हटकर गुदा क्षेत्र में आ जाता है। इस अवस्था के दो भाग है।

(i) Anal expulsion stage :- गुदा निष्कासन की अवस्था में शिशु को मल-मूत्र का त्याग करने में लैंगिक सुख की प्राप्ति होती है क्योंकि ऐसा करने से उसका श्लेष्मल झिल्ली उत्तेजित हो जाता है। माता पिता द्वारा मल-मूत्र त्याग का प्रशिक्षण देने के दौरान अपनायी गई मनोवृत्ति एवं विधियों का प्रभाव व्यक्ति विकास पर पड़ता है। माता-पिता द्वारा मल-मूत्र त्याग के लिए प्रोत्साहन करने, पुचकारने, सीटी बजाने आदि से शिशुओं में आक्रामक व्यक्तित्व का विकास होता है उनके व्यक्तित्व में क्रूरता, विनाशिता, विद्वेष, क्रमहीनता आदि शीलगुणों की प्रधानता होती है।

(ii) Anal Retentive stage :- गुदा धारण की अवस्था में शिशु को मल-मूत्र रोकने में लैंगिक आनन्द आता है क्योंकि इससे मूत्राशय एवं आंत में हल्का सा तनाव उत्पन्न होता है। परन्तु उन्हें मल-मूत्र का त्याग करना ही पड़ता है, जिससे उसमें निराशा उत्पन्न होती है। माता-पिता द्वारा मल-मूत्र त्यागने के प्रशिक्षण में यदि क्रूरता एवं कठोरता बरती जाती है तो उसके व्यक्तित्व में हठ, कंजूसी, क्रमबद्धता तथा समयनिष्ठा आदि शीलगुण का विकास होता है।

Anal stage में Ego का विकास काफी हद तक हो जाता है और लिंग भिन्नता का भी ज्ञान प्रारंभ हो जाता है।

(3) Phallic stage :- मनोलैंगिक विकास की तीसरी अवस्था लिंग प्रधानावस्था या शैश्नावस्था कहलाती है जो सामान्यत: चौथे से पाँचवें साल में उत्पन्न होती है। इस अवस्था में कामुकता क्षेत्र जनेन्द्रिय (genital) होता है। बच्चे जनेन्द्रिय को छूकर लैंगिक आनन्द प्राप्त करते है। लेकिन उन्हें जनेन्द्रिय के लैंगिक कार्य की स्पष्ट ज्ञान नहीं होता है। बच्चों में प्रदर्शन - प्रवृति की प्रधानता होती है।

इस अवस्था में लड़का में Oedipus complex और लड़कियों में Electra complex का विकास होता है। इन मनोग्रंथियों का समाधान दमन द्वारा और माता-पिता के साथ आत्मीकरण द्वारा किया जाता है जिससे Super Ego का विकास प्रारंभ हो जाता है।

Freud के अनुसार जो लड़का Phallic stage पर fixated होते है, उनमें उतावलापन, शेखीबाजी, उच्चाकांक्षा आदि शीलगुण का विकास होता है और जो लड़की इस अवस्था पर fixated होती है उनमें इश्कबाजी, सम्मोहकता, स्वच्छन्द संभोगिता का शीलगुण विकसित होता है। Freud के अनुसार पुरुषों में नपुंसकता (Impotency) एवं स्त्रियों में ठण्डापन (frigidity) का प्रधान कारण इस अवस्था में complexes का ठीक ढंग से समाधान न होना है।